StudentBounty.com

नमूने के प्रश्न–पत्र की योजना 2011 – 2012

कक्षा – XII
विषय –सिन्धी साहित्य
अवधि – 3 घण्टे 15 मिनट

प्रश्न–पत्र–I
पूर्णांक – 80

1. उद्देश्य हेतु अंकभार –

क्र.सं.	उद्देश्य	अंकभार	प्रतिशत
1.	ज्ञान	20	25
2.	अवबोध अर्थग्रहण	20	25
3.	ज्ञानोपयोग / अभिव्यक्ति	20	25
4.	कौशल / मौलिकता	20	25
		80	100

2. प्रश्नों के प्रकारवार अंकभार –

क्र. सं.	प्रश्नों का प्रकार	प्रश्नों की संख्या	अंक प्रति प्रश्न	कुल अंक प्रतिशत	प्रतिशत प्रश्नों का	संभावित
1.	वस्तुनिष्ठ / बहुविकल्पात्मक	–	–	–	–	–
2.	अतिलघुत्तरात्मक– I	3	5+5+5	**15**	**20%**	40 मि.
3.	लघूत्तरात्मक – I	2	10+5	**15**	**20%**	40 मि.
4.	लघूत्तरात्मक – II	6	5+5+5+5+ 5+5	**30**	**40%**	75 मि.
5.	निबंधात्मक	2	10+10	**20**	**20%**	40 मि.
				80	100%	195 मि.

विकल्प योजना : (i) विकल्प–

(ii) आन्तरिक–

पुनरावलोकन :–

3. विषय वस्तु का अंकभार –

क्र.सं.	विषय वस्तु	अंकभार	प्रतिशत
1	अपठित गद्यांश	5	7%
2	मजमून	10	10%:
3	पत्र	5	7%
4	ग्रामर–दोह, सोरठा, चौपाई	5	7%
5	ग्रामर–यमक, उपमा,रूपक,अनुप्रास	5	7%
6	गद्य प्रश्न	10	10%
7	नाविल चरित्र चित्रण	10	10%
8	गघ– हवाला–ससंदर्भ व्याख्या	5	**7%**
9	गद्य– निबन्धात्मक प्रश्न (एक बड़ा प्रश्न)	5	7%
10	गद्य– पांच लघुउत्तरात्मक प्रश्न	5	7%
11	कविता–ससंदर्भ व्याख्या	5	7%
12	कविता का अर्थ	5	7%
13	लेखक परिचय	5	7%
		80	100%

StudentBounty.com

प्रश्न–पत्र ब्ल्यू प्रिन्ट

कक्षा – XII **विषय :–**सिन्धी साहित्य **पूर्णांक** 80

क्र. सं.	उद्देश्य इकाई / उप इकाई	ज्ञान				अवबोध				ज्ञानोपयोग / अभिव्यक्ति				कौशल / मौलिकता				
		अति. लघू	लघू		निबं.	अति. लघू	लघू		निबं.	अति. लघू	लघू		निबं.	अति. लघू	लघू		निबं.	
			SA1	SA2			SA1	SA2			SA1	SA2			SA1	SA2	-	
1	अपिठत गद्यांश	3(2)								(1)2								5(3)
2	मजमून																10	10
3	पत्र												5					5
4	ग्रामर–दोहा, सोरठा, चौपाई		5															5
5	ग्रामर / यमक,उपमा,रूपक,अनुप्रास						5											5
6	गद्य– लघु प्रश्न		2			2				4					2			10
7	नाविल–चरित्र चित्रण																10	10
8	गद्य हवाला											**5**						5
9	गद्य– निबन्धात्मक प्रश्न												**5**					5
10	गद्य– अतिलघुतरात्मक	2								**2**				**1**				5
11	कविता का अर्थ												**5**					**5**
12	कविता का सार																**5**	**5**
13	लेखक परिचय				**5**													**5**
	योग	5	7		5	2	5			8	-	5	15	1	2	-	25	80

विकल्पों की योजना :– (i) विकल्प–

(ii) आन्तरिक–विकल्प–

नोटः– कोष्ठक में बाहर की संख्या अंकों की तथा भीतर प्रश्नों की द्योतक है।

हस्ताक्षर

StudentBounty.com

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान, अ

नमूने का प्रश्न–पत्र

कक्षा–12

विषय– सिन्धी साहित्य

अनुक्रमांक ☐☐☐☐☐☐

अवधि– 3 घण्टे 15 मिनट **पूर्णांक 80 अंक**

निर्देश :–1. सभी प्रश्न हल करना अनिवार्य है। है।

---

1 हेठियो टुकिड़ो पढ़ी जोग्रा जवाब दियो– 5

भारत मे व घंदड़ आदमशुमारी अंसाजे मुल्क लाइ खतरनाक समस्या आहे। देश जी खुशहालीअ लाइ सरकार पारां कयल सुठनि कमनि मे रूकावट आड़ो अचण जो खासु कारणु आहे आदमशुमारीअ जो सदाहिं वधणु। इनकरे भारत सरकार इन समसया खे मुह डि्यण लाइ '' परिवार नियोजन'' '' नड़ो कुटुम्ब सुखी कुटुम्ब'' जो ऐलान कयो। 1971 में भारत जी आदमशुमारी 55 करोड़ हुई। 1976 जे शुरूअ मे 60 करोड़ खां मथे हुई। सन् 2001 मे इहा 100 करोड़ जो अंग पार करे वेई आहे। इनकरे रखण लाइ जगहि पीअण लाइ पाणी ए खाईण लाइ खाघे जी वडी समस्या आड़ो अची रही आहे।

1 मथिये टुकड़े जो सही सिरो डियो ? 1

2 हेठियन जो जवाब हिक् अखर मे डियो ? ½+½+½+½=2

(i) आदमशुमारी खे वघण खां रोकण लाई कहिड़ो उपाय करण घुरिजे

(ii) 1971 मे भारत जी आदमशुमारी घणी हुई ?

(iii) 2001 मे घणी आदमशुभारी हुई ?

(iv) आदमशुमारी घटाईण लाइ कहिड़ी चवणी मशहूर आहे ?

3 आदमशुमारी खे वधण खां रोकरण लाइ तव्हां कहिड़ा कहिड़ा उपाय कंदा। 2

2 कंहि बि हिक ते मजमून लिखो (200 शब्दन मे) 10

(i) प्लास्टिक थैली प्यावरण जी दुश्मन

(ii) कम्प्यूटर अभिशाप या वरदान

(iii) स्त्री शिक्षा

(iv) राजस्थान जूं घुमण (पर्यटन) जूं जगहियू

3 रेलवानी शूज कम्पनी खां तव्हा बूट वरितो आहे जंहि मे बिन सालन जी गारंटी दिनी वेई हुई। पर महिने जे अन्दर बूट जी खस्ता हालत हुअण सबब कम्पनी खे शिकायती पत्र लिखो त संदस बूट जे कीमत जो हर्जानो पेश कयो वञे न त उपभोक्त मे शिकयती कई वेंदी तव्हां कम्पनी प्रबन्धक खे शिकायती पत्र लिखो। 5

या

नगर निगम जे चैयनमेन खे मोहल्ले जी सफाई बाबत ध्यान आकर्षित कंदे शिकायती पत्र लिखो।

StudentBounty.com

4 हेठयनि दोहा, सोरठा ए चौपाई जो अर्थ लिखी करे समझायो–

(i) '' साई पंहिजी महरजो, मूते मीहुं वसाइ

पहिजे हडनि हलाइ, मुहताज रहां न कंहिजो''

(ii) विषय वासना जी जकड़, पुख्ती केडी आहि 1½

निबलनि खे सध नाहि, सतगुरू शल सहाई थिए''।

(iii) '' मोहब्बत इश्क मौलाजी 2

घणा से घोट घाया हुआ

हजारनि साह सांवल तऊ

तिनि घोरे घुमाया हुआ''।

5 (i) शाह साहिब खे शाइरन जो सिज कोठियो वेदो आहे 1

मथी सिट मे शाह जी उपमा (भेट) कंहि सा कई वेई आहे।

(ii) सीता आहे ही चंड हिन में सीता खे कहिड़ो रूपक दिनल आहे। 1½

(iii) मारवी मारूअरन लाइ मांदी थी पेई, मांदी थी सजो दीहुं पेई रूअंदी हुई, मांदी थी मारूअरन खे पेई पुकारींदी हुई, मांदी थी पेई रड़दीं हुई। मथिअे टुकडे मे मांदी अखर घणा दफा कम आंदों वियो आहे इहो अनुप्रास जो कीऊं थो बोध कराअे। 1½

(iv) '' करम कारो मुंह कयो, कर तू पहिजो करम'' हिन मे करम जो अलग–अलग अर्थ समझाओ यमक जो अर्थ लिखो। 1

6 हेठियनि सवालन मां कंहि बि पंजन (5) जा जवाब 50–60 लफ्जन मे लिखो ? 10

(i) आसन कहिड़ा–कहिड़ा अहिन उन्हन जा नाला लिखो ?

(ii) स्टीफन हगकिंग केर हो ? संदसि छपियल किताब जो नालो लिखो ?

(iii) कल्पना चावला जो जन्म कद्हिं एं किथे थियो ?

(iv) मासी बसरा खे कहिड़ी गाल्हि लाइ राष्ट्रपति अवार्ड मिलियो ?

(v) पढ़ण वक्त पाण सां गदु छा–छा रखण खपे ?

(vi) कबीर जो जल कद्हिं थियों उन जी जात छा हुई ?

(vii) डा. अब्दुल कलाम जे टिव नजरियनुजा नाला लिखो ?

(viii) बस स्टाप पाठ मां तव्हां खे कहिड़ी सिख्या थी मिले ?

7 अझो नाविल जे मुख्य किरदार शोभा (या) मोहन जे जीवन जूं विशेषताऊं 10

(चरित्र चित्रण) जो ब्यान करियो

या

अझे नविल जी अदबी कय करियां ?

8 हेठियनि हवालन मां कहिं बि हिक हवाले जो मतलब समझायो। 5

(i) '' छा भगवान खेड़ खेड़यो अहि'' । ही हवालो कहिडे पाठ मां खयों

वियो आहे, कहिं इहे अखर चया अहिन एं छो चया आहिन

(ii) '' राम,, हेमू कालाणी त शहीद थियो आहें, शहीद ते फख़्र कबो

StudentBounty.com

आहें, मातम न''। ही अखर कहिं चया आहिन, हिते छो चया आहि चवण जो मकसद छा आहे।

9 पढ़ण वक्त कहिड़ियुन–कहिड़ियुन गाल्हियुन जो ध्यान रखणु खपे विस्तार सा समझ

या

रामदीन केर हो, किथां आयो हो, हिन पहिजें देशं जे खातिर कहिड़ी कुर्बानी दि्नी ?

10 हेठियनि सवालन जा जवाब हिक लाईन मे दि्यो। 5

(i) हिक हथ जो कमाल छा हो ?

(ii) सी–सा जो मतलबु छा आहे ?

(iii) सुदमा पहिंजी साहिड़ी गीता खां कहिड़ी ग्ग़ाल्हि पुछण चाही ?

(iv) योग करण छो जरूरी आहे ?

(v) आकाश कन्या केर हुई ए किथां जी रहदंड हुई ?

11 हेठियन (कविताअुन) मिसराईन जो मतलबु खोले समझायो (का बि हिक) 5

(i) सौ कुर्ब करे आयो सजण मू वटि राति,
मू रात खे रोकियो तन कजि जाहिर वाति,
झटि टहिकु हुई राति वराणियो ' खादिम'।
सिजु खुदि तो वटिआ, कीअं थीदी प्रभाति ?

(ii) कीऊ लिखं जाणा रूग्रो छा लिखा सलितूं
कंदुसि पूरी बांसुरी फूकीदे गिलतूं
पंघु करणु मूंखा पुजे वाट वठी हलु तू,
बाझ भरिया बलुतुं हिन बेवस ए बेजोर जो।

12 कंहि बि हिक कविता जो अर्थ समझायो। 5

(i) खुशी (कवि पुष्पा वलभ)

(ii) गंगा जू लहरू (कवि बेवस)

13 जेठमल परसराम जी जीवनी जे बारे में तव्हां खे कहिड़ी जा॒णा आहे। 5

या

शाह अब्दुल लतीफ खे सिन्धी शाइरीअ जो सरताज छो सदि्यो थो वञे समझायो ?

StudentBounty.com

उत्तरतालिका

सिन्धी साहित्य

1 (i) शीर्षक वधन्दड आदमशुमारी

(ii) परिवार नियोजन

(iii) 1971 मे भारत जी आदमशुमारी 55 करोड़ हुई

(iv) 2001 मे इहा आदमशुमारी 100 करोड़ हुई

3 आदमशुमारी खे वधण लाइ असांखे, परिवार, नियोजन, नन्डोकुटम्ब, कन्या खे अहिमियत दि्यण, धुरिजे।

2 (i) शुरूआत

(ii) प्लास्टिक कचरे जो फहिलजण

(iii) प्लास्टिक थैलियुन सा वातावरण खराब थियण

(iv) प्लास्टिक थैलियुन ते रोक

(v) पछाडी

(ii) (i) परिचय (ii) कम्प्यूटर जो अविष्कार (iii) कम्प्यूटर जी जरूरत ए उन जोमहत्व

(iv) कम्प्यूटर जो चमत्कार (v) पछाडी

(iii) शिक्षा– (i) शुरूआत, (ii) स्त्रीअ जो महत्व (iii) नारी आदर्श घरवारी

(iv) स्त्री घर जी सुख समृद्धि (v) पछाड़ी

(iv) राजस्थान जूं घुमण जूं जग्हियूं – (i) शुरूआत (ii) प्रमुख दि्सण जूं जग्हियूं

(iii) सुविधाऊं (iv) घुमण जा लाभ (v) पछाडी

3 सेवा मे,

प्रबन्धक

रेलवानी कम्पनी बूट हाऊस

चौपासनी रोड़, जोधपुर

विषयः– बूट जो हर्जानो दियण बाबत् शिकायत

धन्यवाद

भवदीय

या

सेवा मे,

चैयमेन साहिब,

नगर निगम, अजमेर

विषयः– मौहल्ले जी सफाई बाबत शिकायती पत्र

धन्यवाद

तव्हां जे मोहल्ले जा रहवासी

भवदीय

StudentBounty.com

4 (i) सांई तूं मुहिजे मथां महिरजी बरसात वसअिं,

मूंखे पहिंजी हलंदी हलाअ, कहिंजो मोहताज न कज।

(ii) दुनिया मे माण्हू विषय वासनाउ न मे फाथो पियो आहे,

काम, क्रोध, लोभ, मोह, अहंकार मे फाथो पियो आहे,

जेके कमजोर आहिन अन्हन खे ताकत कोन अहि, हे परमात्मा, उन्हन खे ताकत तूं ई दी्दे।

(iii) जंहि खे ईश्वर सा मोहब्बत आहे उहे पहिंजो पाण खे ईश्वर जे मथा कुर्बान था कनि हजारे माण्हुन पहिंजो साहु उन मथा दि्नों आहे।

5 (i) शाह जी भेट सिज सा कई वेई आहे हिन में सिज उपमा आहे।

(ii) सीता खे चंड जो रूप दि्नो वियो आहे। हिन मे चंडु रूपक आहे।

(iii) मांदी चार दफा कम आंदोा वियो आहे, मारूई जे लाइ चयो वियो आहे त हूअ पहिंज्रे गो्ठ लाइ मांदी (व्याकुल) हुई।

(iv) करम ही पहिंजो रंग दे्खारे थो, इनकरे असांखे सुठा करम करण घुरिजन, कर्म ही हिन में यमक आहे।

6 (i) आसन जा 8 अंग आहिन (1)1 यम (2) नियम (3) आसन (4) प्राणयम (5) प्रत्याहार

(6) धारणा (7) ध्यान (8) समाधि

(ii) स्टीफन हाकिंग हिक वैज्ञानिक हो, हिन जो लिखियल किताब '' वक्त जी मुख्तसर तारीख'' (Brief History of the time)

(iii) कल्पना चावला जो जन्म दिल्ली जे नन्डे गांव करनाल में 1962 में थियो।

(iv) मासी बसरा हिक हथ सां भरथ जो कजरो भरियोज, दिल्ली उद्योग केन्द्र उन खे राष्ट्रपति हथा अवार्ड, डियारो

(v) पढ़णु वक्त डिक्शनरी पाण सा गदु रखणु खपे।

(vi) कबीर जो जन्म 1398 ई. में थियो ही जात जो चमार हो।

(vii) बस स्टाप पाठ मां इहा थी सिख्या मिले त असां ख बस में सफर न करण धुरिजे।

(viii) डा. अब्दुल कलाम जा नजरिया (1) आजादी (2) वाधारो (3) आत्मदर्शन

7 अझे नाविल जो मुख्य किरदार मोहन,महनती, ईमानदार, सच्चो प्रमी, सच्ची दोस्ती निमाइण वारो देश लाइ प्यार, माउ पीउ जी शेवा कन्दड, हलचल मे भाग वठणु, स्वाभिमानी, शोभा जूं बि इहे ई विशेषताऊं आहिन,

या

अझे नाविल जो अदबी कथ में नाविल जी कहाणीअ खे थोडे मे बुधाइंदे उन जू विशेषताऊं बुधाईयूं वेंदियूं (1) कथावस्तु (2) चरित्र चित्रण (3) माहौल (4) गुफ्तगू (5) पेशकशिए भाषा (6) मकसद

8 इहो हवालो पाठ '' वक्त जे तारीख जो बादशाह स्टीफन हाकिंग मां खयों वियो आहे, ही अखर स्टीफन हाकिंग चया आहिन, असां भगवान जे अगि्या मजबूर आहियूं।

(ii) ही हवालो '' रामदीन'' पाठ मां खयों वियों आहे, ही अखर लेखक रामदीन खे चया आहिन। जद्हिं हू चवे थो त मा अजु रोटी कोन खाइंदुस, छाकाण त मां हिन्दुस्तानी आहियां, अजु हेमू खे फासी दिनीवेंदी।

9 पढणु वक्त हेठियुनि ग्ाल्हियुन जो ध्यान रखण खपे

1 डिक्शनरी रखणु खपे, हिक हंद ध्यान रखणु खपे, अलग –अलग किताब टापिक सां

StudentBounty.com

या

रामदीन हिक मुस्लिमान हो, हू पाकिस्तान मां आयो हो, पर हुन कहिं ख बि ... ें का बि जानकारी न दि्नी हुई, हुन पंहिजे बुढे माउ–पीउ खे पाकिस्तान मे छदिओ एं ... खे प्यार कओ ए आखिर, उतेई हुन जो मौत थियो ए हुन खे जलाऐ करे, हिन्दुअ वांगुर ... कयो वियो।

10 (i) हिक हथ सां हुन हिक कजरो भरथ जो भरियो हो

(ii) सीसा जो मतलबु

(iii) शय खराब मिलण ते उन जो भुगतान उपभोक्ता संरक्षण में कीअं कयो वञे इहा ग्ाल्ह पुछी हुई।

(iv) योग करण सां शरीर तन्दुरूस्त रहंदो आहे फुरती थींदी आहे एं का बि बीमारी न लंगदी आहे।

(v) आकाश कन्या कल्पना चावला हुई, हूं हिन्दुस्तान में ज्ाई हुई।

11 कविता जो अर्थ का बिहिक

(i) ईश्वर मूं वटि रात जो आयो, यू रा खे चयो त ईहा ग्ाल्हि कहिसां बिन कज, त मूखे रात खिली करे चयो त हे ईश्वर सिज त तो वटि अहि तू चाही त सुबुह करी चाही त न करी, तू ई सबुह करण वारों आहीं होअं कविता रूबाइयू (कवि हरूमल संदारगाणी '' खादिम'') मां खयूं वेयूं आहिन।

(ii) हीअ कविता गांगा जू लहरूं (किशनचन्द बेवस) मां खयूं वयूं अहिन हिन में कवि ईश्वर खे चवे थो त तू ई मूखें बुधाईण वारो आही, तू ई ताकत दींदे तूं ई हिमत दींदे मूहिंजा गि्ल्ह तूं ई फूकींदे तू ई बासुरी बजाईण सेखारींदे मां पंघु करे तो वटि ईंदस पर टंगुन मे ताकत तूं ई दींदे।

12 (i) खुशी कविता जो अर्थ (कविपुष्प वल्लभ)

खुशी जे बारे में सजी कविता जो अर्थ लिखियो, वेदो इन जो अन्दरियो एं ब्राहरियो अर्थ समझायो वेंदो।

(ii) गंगा जू लहरूं (कवि बेबस) हिन कविता जो बि पूरो अर्थ लिखी करे अन्दरियो ए ब्राहरियो अर्थ समझायो वेंदो विस्तार सां

13 लेखक जो जीवन परिचय

(i) जेठमल परसराम– हिन जो जन्म (1886–1984) ही साहित्यकार, पत्रकार, फेलसूफ, समाज शेवक, हो हिन जो जीवनअ जे बारे में लिखण आहे।

या

शाह अब्दुल लतीफ जो जन्म 1689 में सिन्ध में मिटाई गोठ मे थियो हो। हिन खे सिन्धी शाइरीअ जो सिरताज करे कोठियो वेंदो आहे। ''शाह जो रखालो'' हिन जो किताब छपियल आहे। एं थोड़ो हिन जी जीवनअ जे बारे में बुधायो वेदों।